सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा बुंदेलखंड

पूर्वांचल दूसरे पायदान पर, यूपी में एक वर्ष में 1100 मेगावाट क्षमता का परिचालन शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए कई प्रमुख सौर पार्कों का विकास किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि एक वर्ष में राज्य में 17 सौर ऊर्जा संयंत्रों में लगभग 1100 मेगावाट क्षमता का परिचालन शुरू हुआ है।

इन संयंत्रों में 7492.4 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। साथ ही 7556 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। कभी पिछड़ा क्षेत्र माना जाने वाला बुंदेलखंड उत्तर प्रदेश के अक्षय ऊर्जा का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है।

राज्य में वर्ष 2024 और 2025 की शुरुआत में 17 सौर ऊर्जा संयंत्रों का परिचालन शुरू हुआ है। बुंदेलखंड और पूर्वांचल में स्थापित 10 नए सौर संयंत्रों में 995 मेगावाट का परिचालन शुरू हो गया है, जिससे यह क्षेत्र यूपी के नए ऊर्जा केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है।

झांसी सौर ऊर्जा परियोजना टीयूएससीओ (टस्को) लिमिटेड द्वारा 600 मेगावाट की परियोजना इस वर्ष जनवरी में शुरू हो गई। 3430 करोड़ के निवेश की इस परियोजना ने लगभग 300 नौकरियां भी पैदा की हैं।

झांसी के बबीना में फोर्थ पार्टनर एनर्जी द्वारा 100 मेगावाट का सोलर प्लांट 2024 के मध्य में 1200 करोड़ के निवेश के साथ शुरू हुआ, जिससे 1000 रोजगार के अवसर पैदा हुए। बुंदेलखंड में सन सोर्स एनर्जी सोलर ओपन एक्सेस प्रोजेक्ट है, जो राज्य के ऊर्जा ग्रिड में अतिरिक्त 135 मेगावाट का योगदान देता है। 600 करोड़ से वित्त पोषित इस परियोजना ने 500 नौकरियां भी पैदा की हैं। अकेले बुंदेलखंड क्षेत्र में, इन संयंत्रों द्वारा लगभग 2440 लोगों को रोजगार मिला है।

पूर्वांचल में सौर ऊर्जा उत्पादन

पूर्वांचल में 85 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता की स्थापना हुई है, जिसका नेतृत्व बहराइच में टाटा पावर की टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड ने किया है। 500 करोड़ के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य राज्य के सभी गांवों में 5000 माइक्रोग्रिड स्थापित करना है। पूर्वांचल के मऊ में 340 करोड़ की एम्प एनर्जी इंडिया की 75 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना शुरू हो चुकी है। इन सौर ऊर्जा पहलों के माध्यम से 5000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है।

पश्चिमांचल और मध्यांचल का योगदान

पश्चिमांचल में 184.5 करोड़ रुपये के निवेश से 30 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाले तीन सौर ऊर्जा संयंत्र चालू हो गए हैं। एक संयंत्र आगरा में और दो पीलीभीत में स्थित हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 10 मेगावाट है। इसी के साथ मध्यांचल के सीतापुर में 40 करोड़ रुपये के निवेश से 10 मेगावाट क्षमता के संयंत्र परिचालन शुरू हो गया है।